

उत्तराखण्ड शासन

चिकित्सा अनुभाग-2

संख्या: 1127/XXVIII-2/01(93)2015

देहरादून: दिनांक 20 अक्टूबर, 2015

कार्यालय-ज्ञाप

एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार के निरीक्षण पर पाया गया कि जिला चिकित्सालय हरिद्वार की आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की स्थिति अत्यन्त खराब है। आपातकालीन अनुभाग में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने, आपातकालीन कक्षों में पुराने स्ट्रेचर पड़े होने, दीवारों पर कई स्थानों पर मकड़ी के जाले होने, साफ सफाई की समुचित व्यवस्था न करने, आपातकालीन कक्ष में कोई परीक्षण कोच न होने जिला चिकित्सालय में पीने के पानी एवं बिजली के बैक-अप की समुचित व्यवस्था न होने, अस्पताल परिसर में प्राईवेट एम्बुलेंस खड़ी होने, शव-विच्छेदन गृह का फ्रीजर खराब होने तथा पोस्टमार्टम हेतु रखे शवों के खराब होने, कैश बुक में आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा पिछले 01 वर्ष से अधिक समय से हस्ताक्षर न करने, चिकित्सा सेवाओं व वित्तीय प्रबन्धन में पायी गयी अरुचि, लापरवाही तथा शासकीय कार्यों में उदासीनता बरते जाने के लिए प्रथम दृष्टया प्रमुख अधीक्षक, डा0 अनिल कुमार पर दोष अवधारित होता है।

2- इस प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील मामलों में इस प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बरतने से जहाँ एक ओर जन स्वास्थ्य में विपरीत प्रभाव पड़ता है, वही दूसरी ओर चिकित्सा विभाग की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगने के साथ-साथ सरकार की छवि खराब होनी पुष्ट होती है। अतः महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य द्वारा किये गये औचक निरीक्षण का गम्भीरता पूर्वक संज्ञान लेकर सम्बन्धित प्रमुख अधीक्षक जिला एच0एम0जी0 चिकित्सालय, हरिद्वार के विरुद्ध दण्डनीय कार्य किये जाने का साक्ष्य विद्यमान है।

3- उपरोक्त के दृष्टिगत डा0 अनिल कुमार, प्रमुख अधीक्षक, एच0एम0जी0 चिकित्सालय, हरिद्वार को उक्त लापरवाही बरतने हेतु आरोपी होने के फलस्वरूप उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही प्रस्तावित है और उक्त आरोप इस प्रकृति के है कि विस्तृत जांच के दौरान उनके सिद्ध होने की दशा में डा0 अनिल कुमार को दीर्घ शास्ति भी दी जा सकती है। विस्तृत जांच के दौरान डा0 अनिल कुमार को अपने वर्तमान पद पर बनाये रखा गया तो उनके द्वारा जांच को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है।

4- अतः उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत डा0 अनिल कुमार, प्रमुख अधीक्षक, एच0एम0जी0 चिकित्सालय, हरिद्वार को उत्तराखण्ड सरकारी सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

5- निलंबन की अवधि में डा0 अनिल कुमार, प्रमुख अधीक्षक, एच0एम0जी0 चिकित्सालय, हरिद्वार को वित्तीय नियम संग्रह, खण्ड-2 के भाग-2 से 4 के मूल नियम-53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्द्ध वेतन पर देय अवकाश वेतन की राशि के बराबर देय होगी तथा उन्हें

जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर महंगाई भत्ता, यदि ऐसे अवकाश वेतन पर देय है, भी अनुमन्य होगा। किन्तु ऐसे अधिकारी को जीवन निर्वाह भत्ते के साथ कोई महंगाई भत्ता देय नहीं होगा, जिन्हें निलंबन से पूर्व प्राप्त वेतन के साथ महंगाई भत्ता अथवा भत्ते का उपान्तिक समायोजन प्राप्त नहीं था। निलंबन के दिनांक को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते भी निलंबन की अवधि में इस शर्त पर देय होंगे, जब इसका समाधान हो जाय कि उनके द्वारा उक्त के सम्बन्ध में व्यय वास्तव में किया जा रहा है, जिसके लिये उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य है।

6- उपर्युक्त प्रस्तर-5 में उल्लिखित मदों का भुगतान तभी किया जायेगा जबकि डा0 अनिल कुमार इस आशय का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें कि वह किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार वृत्ति, व्यवसाय में नहीं लगे हैं।

7- डा0 अनिल कुमार द्वारा बरती गयी लापरवाही एवं अनियमितताओं के दृष्टिगत उक्त अधिकारी के विरुद्ध उत्तराखण्ड, सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 एवं तत्सम्बन्धी नियमावली, 2010 के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत विभागीय अनुशासनात्मक जांच/कार्यवाही संस्थित की जाती है।

8- निलंबन की अवधि में डा0 अनिल कुमार, प्रमुख अधीक्षक, एच0एम0जी0 चिकित्सालय, हरिद्वार को महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय से सम्बद्ध किया जाता है।

(ओम प्रकाश)

प्रमुख सचिव।

संख्या- /XXVIII-2/01(93)2015, तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निजी सचिव, मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन को इस आशय से प्रेषित कि मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी के संज्ञान में लाने का कष्ट करें।
2. अपर सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड शासन।
3. महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून को इस आशय से प्रेषित कि उपरोक्त चिकित्साधिकारी को हस्तगत कराकर पावती शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें तथा साथ ही आरोप-पत्र (साक्ष्यों सहित) गठित कर शासन को दो प्रतियों में उपलब्ध करायें।
4. निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिला अधिकारी, हरिद्वार।
6. मुख्य चिकित्साधिकारी, हरिद्वार।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, हरिद्वार।
8. सम्बन्धित चिकित्साधिकारी द्वारा महानिदेशक।
9. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
11/11/15
(महिमा)
उप सचिव।